भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 980
उत्तर देने की तारीख-02/12/2024

एनईपी और आरटीई अधिनियम की समीक्षा

†980. श्री ए. राजा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अल्पसंख्यक संस्थानों से संबंधित प्रावधानों सहित बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम पर कई राज्य सरकारों द्वारा की गई आपत्तियों की समीक्षा करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार एनईपी, 2020 में संशोधन के लिए विभिन्न हितधारकों और राज्य सरकारों के साथ चर्चा करने की योजना बना रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत दिनांक 29.07.2020 को ग्राम पंचायतों, ब्लॉकों, शहरी स्थानीय निकायों, जिलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों, माननीय संसद सदस्यों, आम जनता आदि सहित सभी हितधारकों के साथ विस्तृत परामर्श प्रक्रिया के बाद की गई है। एनईपी कार्यान्वयन के लिए नवीन विचारों की समीक्षा और चर्चा करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, शैक्षिक संस्थानों, अन्य हितधारकों के साथ समय-समय पर कार्यशालाओं/परामर्श-सह-समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई है। एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर चर्चा जून 2022 में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन; जून 2022 और दिसंबर, 2023 में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन; अगस्त 2022 में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 7वीं बैठक; अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2022 और 2023 आदि में की गई।

एनईपी 2020 के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है, जिससे हितधारकों से सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। परामर्श-सह-समीक्षा बैठकों के दौरान, विचारों का सशक्त आदान-प्रदान हुआ है, राज्यवार पहलों पर चर्चा, विभिन्न राज्यों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, साथ ही एनईपी 2020 को क्रियान्वित करने संबंधी चुनौतियों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया है। इन प्रयासों से नीति के कार्यान्वयन के लिए एक समन्वित और व्यवस्थित दृष्टिकोण सुविधाजनक बना है। एनईपी, 2020 के कार्यान्वयन संबंधी परामर्श एक जारी प्रक्रिया है।

*****